

YOUTH RED CROSS

The Red Cross Society is a worldwide, well known, universally accepted, admired and internationally identified humanitarian service organization. It is the biggest, independent non-religious, non-political, non-sectarian and voluntary relief organization treating people equally all over the world without any discrimination as to their nationality race and religion beliefs. It was established in 1863 in Geneva, Switzerland. The Father of Red Cross movement and recipient of noble award for peace in 1901 was "Jean Henry Dunant", who was a successful businessman. While going on a business mission, Dunant came on 24th June 1859 to Castiglione. It was on the same day, the battle of Solferino was fought nearby between French and Austrian armies. Dunant was horrified and moved by the sight and plight of the wounded soldiers. On witnessing the pathetic scene he forgot his business and started relief operations to all the wounded soldiers without any discrimination taking the help from people in villages nearby. In 1862 Dunant wrote a book "A memory of Solferino" which paved the way for the first Geneva Conference in 26th October 1863. The Geneva Society for Public Welfare, consider the Dunant's proposals which was mentioned in the book and convene a multinational conference for implementing them.

The two proposals are:

- Formation of trained medical relief team in every country in peace time to be employed in the relief work for wounded soldiers in the battle field.
- Framing of rules to alleviate the suffering of war victims and to have international treaty among the nations once agreed upon and satisfied might assure humane care for wounded.

Father Of Red Cross



Henry Dunant

JEAN HENRY DUNANT
8th May 1828 - 30th Oct 1910

Based on the proposals a resolution for the formation of medical relief societies “ Society for the relief of wounded combatants” was passed and the Red Cross Emblem to protect the members of Relief team was adopted. The name was changed subsequently in the year 1867 as “Red Cross Society” by Netherland. In 1875 the five member commission of the Geneva Society for Public Welfare began to call itself the International Committee of Red Cross (ICRC). In 1876 Muslim countries adopted Red Crescent on white background instead of Red Cross. The Red Cross Societies in times of peace pursue a variety of activities devoted to the health, safety and well being of the people, with the best relationship, understanding and cooperation between many governments and their national societies.

The involvement and contribution of young people to the work of the Red Cross has an interesting history. This genesis of their engagement originated in the province of Quebec, Canada in 1914, when school children first participated in the humanitarian work of the Red Cross work by making bandages, dressings and other comforts for soldiers. The idea soon spread to Europe, United States Australia, Italy, Bulgaria, Czechoslovakia, Hungary, New Zealand, Poland, Switzerland, United Kingdom and Yugoslavia France, Japan, Romania and Sweden in short duration .

In 1922, the youth programme of the Red Cross was officially recognized and supported by Resolution No. XVIII adopted by the General Council of League of Red Cross Societies and the expansion of Red Cross youth programmes to young people outside the schools or other than those attending educational institution were embodied in one of the General Councils resolutions XIX.

The Red Cross, through its junior and youth programmes, plays an important role in channelling and guiding this young energy in the cause of humanitarian action. The following lines throw the glimpse of youth red cross.

The main purpose of organizing the Youth Red Cross is:

- Informing youth members and others the role and the responsibilities of the Red Cross and encourage them to contribute
- An awareness on the care of their own health and that of others
- The understanding and acceptance of civic responsibilities and acting accordingly with humanitarian concern, to fulfill the same
- To enable the growth and development of a spirit of service and sense of duty with dedication and devotion in the minds of youth
- To foster better friendly relationship with all without any discrimination

Youth Red Cross has the following three principles:

- Protection of Health & Life
- Service to the Sick & Suffering
- Promotion of National & International Friendship, to develop the mental and moral capacities of the youth

भारतीय रेडक्रास सोसायटी

छत्तीसगढ राज्य शाखा, रायपुर

यूथ रेडक्रास नियमावली

रेडक्रास एक ऐच्छिक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो 1863 में हेनरी ड्यूनांट द्वारा युद्धभूमि पर जखमी और पीड़ितों की सहायता प्रदान करने के लिये स्थापित किया गया था। रेडक्रास का मूलभूत सिद्धांत निम्नानुसार है :-

1. मानवता HUMANITY
2. निष्पक्षता IMPARTIALITY
3. तटस्थता NEUTRALITY
4. स्वतंत्रता INDEPENDENCE
5. स्वयं प्रेरित सेवा VOLUNTARY SERVICE
6. एकता UNITY
7. सर्वव्यापकता UNIVERSALITY

इसके पश्चात संगठन के उद्देश्य अधिक व्यापक बनाए गये जिसमें समस्त रूग्ण और पीड़ितों को युद्ध के समय या शांतिकाल में सहायता प्रदान करने का संकल्प किया गया। रेडक्रास के शांतिकाल के कार्य मुख्यतः निम्नलिखित हैं -

- अ. शरीर एवं स्वास्थ्य की उन्नति.
- ब. रोगों पर प्रतिबंध.
- स. पीड़ितों की सहायता .

युवक रेडक्रास संगठन, मूल संगठन के समान ही युद्ध के परिणाम स्वरूप स्थापित हुआ। सन् 1913 में प्रथम विश्वयुद्ध जब प्रारंभ हुआ तब कनाडा के एक प्रदेश क्यूबेक की शाला के विद्यार्थियों ने सैनिकों के लिए बैन्डेजे तथा ड्रेसिंग्स और अन्य सुविधा के साधन बनाकर रेडक्रास के कार्यों में सहयोग दिया। इस कल्पना ने जल्दी ही व्यापक स्वरूप धारण किया। सन् 1915 के आस पास कनाडा तथा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के युवकों ने उनके व्यक्तिगत व्यय में से पैसे बचाना शुरू किए। उन पैसों को एकत्रित कर उन्होंने लड़ने वाले सैनिकों के लिये

का मिलकर एक संघ स्थापित हुआ तब यूथ रेडक्रास को विभिन्न देशों में कार्यान्वित करने के लिये यूथ रेडक्रास ब्यूरो स्थापित किया गया ।

यूथ रेडक्रास का संगठन :-

यूथ रेडक्रास, इण्डियन रेडक्रास की एक शाखा है जिसका संबंध 18 वर्ष से 35 वर्ष तक आयु के विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों के नियमित छात्र, छात्राएं और प्राध्यापक वर्ग से है। प्रत्येक महाविद्यालय में युवक रेडक्रास की युनिट की स्थापना करने के लिये प्रत्येक शिक्षार्थी, प्राध्यापक वर्ग का सक्रिय सहयोग आवश्यक है।

यूथ रेडक्रास के संगठन का उद्देश्य युद्ध और शांतिकाल में मानवता की सेवा करना है। प्रत्येक युवक को इस अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का सदस्य बनकर प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिये तभी वे ग्रामीणों और नगरीय क्षेत्रों के नागरिकों की सेवा भली-भांति कर सकते हैं।

जन स्वास्थ्य, गंदी बस्तियों की साफ-सफाई, रोगी कल्याण, आशक्त एवं असहायों की सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्रदूषण निवारण, प्राकृतिक आपदा तथा दुर्घटना आदि के कारण निर्मित आपातिक स्थितियों के तात्कालिक सहायता जैसे कार्य करना यूथ रेडक्रॉस के सदस्यों के कर्तव्य हैं। साथ ही मानव मूल्यों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के मानवतावादी उत्तरदायित्वों की निर्वहन करते हुए विश्व मातृत्व की भावना को बढ़ाना भी यूथ रेडक्रॉस का एक महत्वपूर्ण कार्य है।

यूथ रेडक्रास यूनिट का संगठन :-

यूथ रेडक्रॉस युनिट की स्थापना सभी महाविद्यालयों में की जायेगी।

इसमें कम-से-कम तीन छात्रा प्रतिनिधि, प्राध्यापक, पी.टी.आई. पुस्तकालय प्रभारी सदस्य रहें। समिति में सदस्यों की अधिकतम संख्या 11 होगी।

प्राध्यापक वर्ग का कोई सदस्य इसका संगठक होगा।

जिलाध्यक्ष एवं मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य सेवा अधिकारी के परामर्श एवं मार्गदर्शन में जन स्वास्थ्य तथा सेवा के क्षेत्र में कार्य किए जाएंगे।

यह समिति छात्रों के सर्वांगीण विकास, उनमें स्वप्रेरित सेवा भाव जागृत करने, रोगियों पीड़ितों, अशक्त तथा असहायों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने, कार्य शालाओं का आयोजन करने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व भ्रातृत्व की भावना जागृत करने हेतु कार्य योजना बनाकर कार्य करेगी।

महाविद्यालयीन स्तर पर इस समिति के कार्यों की छमाही समीक्षा, चेयरमेन राज्य शाखा द्वारा की जायेगी।

पंजीयन एवं सदस्यता :-

सभी यूथ रेडक्रॉस युनिटों को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा में पंजीयन कराना होगा। पंजीयन के लिए 250/- रु. शुल्क के साथ एक आवेदन पत्र राज्य शाखा में प्रस्तुत कर पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

यूथ रेडक्रॉस का वार्षिक सदस्यता शुल्क रु. ⁴⁰25/- प्रति छात्र होगी।

सदस्यता शुल्क के रूप में प्राप्त राशि का 70 % महाविद्यालय द्वारा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में पृथक खाता खोलकर रखा जायेगा तथा कार्यसमिति के अनुमोदन से यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों पर व्यय किया जा सकेगा। आय-व्यय का वार्षिक लेखा भी निर्धारित प्रारूप (परिशिष्ट एक) में राज्य शाखा तथा जिलाशाखा को वित्तीय वर्ष की समाप्ति के तत्काल पश्चात् प्रस्तुत की जायेगी। सदस्यता शुल्क की 30% राशि सीधे राज्य शाखा को भेजी जायेगी। राज्य शाखा द्वारा इस प्रकार प्राप्त राशि में से 10% जिला शाखा को यूथ रेडक्रॉस की

गतिविधियों के संचालन तथा समन्वय पर व्यय की जायगी। राज्य शाखा के पास शेष जमा सदस्यता शुल्क की राशि में से 10% अर्थात् प्राप्त राशि का 1/2 राष्ट्रीय मुख्यालय को भेजी जायगी।

छत्तीसगढ़ युवक रेडक्रास के मुख्य कार्य :-

(1) प्राथमिक उपचार-

1. प्राथमिक उपचार और स्वास्थ्य विज्ञान पर कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
2. प्राथमिक उपचार कीट का प्रबंध करना, जो आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लाई जा सके।
3. Disaster Preparedness तथा Response प्रशिक्षण।

(2) रक्तदान --

1. स्वेच्छा से रक्तदान करना और रक्तदान के लिये नागरिकों को प्रेरित करना.

(3) नेत्रदान --

1. अंधत्व की रोकथाम हेतु आयोजन शिविरों में भाग लेना।
2. नेत्रदान बाबत प्रचार-प्रसार कर जन-जागरूकता पैदा करना.

(4) HIV/AIDS की रोकथाम हेतु कार्य करना

(5) पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्रदूषण निवारण के लिये कार्य करना। उपयुक्त सभी विशेष कार्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से संपन्न होंगे। इसकी पूर्ण जानकारी समय-समय पर राज्य शाखा / जिला शाखा द्वारा दी जायगी।

युवक रेडक्रास के अन्य कार्य -

1. तैरना तथा जीवनरक्षा के उपाय सीखने के लिये विद्यार्थियों तथा युवकों को प्रोत्साहित करना .
2. सहकारी पद्धति से स्टेशनरी पुस्तक भंडार चलाना और उसमें जो लाभ हो उससे गरीब विद्यार्थियों को सहायता देना .

3. मलेरिया, चेचक, हैजा, प्लेग, मोतीझरा आदि रोगों के आक्रमण के बारे में स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ताओं तथा अधिकारियों को सूचना देना और सेवा कार्य करना .
4. छात्र भोजनालयों तथा कैंटीन की व्यवस्था करना .
5. प्राकृतिकविपत्तियों जैसे - बाढ़, अकाल, आग, भूकम्प आदि के निवारण में सहयोग देना.
6. आदर्श ग्राम, आदर्श घर, आदर्श कुओं आदि का महत्व ग्रामिणों को समझाना ।
7. कुओं को किटाणु रहित करना ।
8. चूहों, मक्खियों, मच्छरों को समाप्त करने में सहयोग देना ।
9. अस्पतालों में सेवा कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त करना ।
10. अन्तर्महाविद्यालयीन सम्पर्क स्थापित करना ।
11. स्वयं सेवक के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करना ।
12. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव सेवी संस्थाओं से संपर्क एवं समन्वय ।
13. महत्वपूर्ण दिवसों पर कार्यक्रमों का आयोजन, फंडरेजिंग ।

छत्तीसगढ़ स्तर पर यूथ रेडक्रॉस संगठन :-

यूथ रेडक्रॉस की समस्त गतिविधियों का संचालन तथा मार्गदर्शन राज्य स्तर पर गठित 3 छत्तीसगढ़ यूथ रेडक्रॉस समिति 4 द्वारा की जायगी जिसके संरक्षक माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ तथा अध्यक्ष माननीय शिक्षा मंत्री होंगे ।

- | | | |
|--|---|---------------|
| 1. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ | - | मुख्य संरक्षक |
| 2. शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ | - | अध्यक्ष |
| 3. चेयरमेन, प्रबंध समिति, भारतीय रेडक्रास सोसायटी,
छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, रायपुर | - | उपाध्यक्ष |
| 4. महामहिम राज्यपाल द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय
के कुलपति | - | सदस्य |
| 5. आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़ | - | सदस्य |
| 6. एन.सी.सी. के राज्य स्तरीय अधिकारी | - | सदस्य |

- | | | | |
|-----|--|---|------------|
| | महाविद्यालय के प्रतिनिधि | - | सदस्य |
| 8. | एक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रतिनिधि | - | सदस्य |
| 9. | एक स्नातक महाविद्यालय के प्राचार्य | - | सदस्य |
| 10. | एक स्नातक कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य | - | सदस्य |
| 11. | महामहिम द्वारा मनोनीत राज्य के एक प्रख्यात समाज सेवी | - | सदस्य |
| 12. | प्रमुख गैर सरकारी स्वयं सेवी संस्था का एक प्रतिनिधि | - | सदस्य |
| 13. | सचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा | - | सदस्य/सचिव |

यूथ रेडक्रॉस की राज्य स्तरीय शीर्ष समिति यूथ रेडक्रॉस की गतिविधियों के निर्धारण तथा संचालन के साथ ही महाविद्यालयीन स्तर पर किए गए कार्यों की समीक्षा कर सकेगी तथा दूसरे आधार पर इन्हें पुरस्कृत किए जाने का निर्णय भी ले सकेगी।